कार्यकमः संगठित नारी सशक्त नारी
सेवाकेन्द्र– टी.पी.नगर कोरबा छ.ग
दिनांक– 5.03.17
इंचार्जः बी.के.रूकमणी
स्थान : विश्व सद्भावना भवन
सम्पर्कः 9826816612

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के स्थानीय सेवाकेन्द्र विश्व सद्भावना भवन के सभागार में, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विषयः संगठित नारी सशक्त नारी पर एक परिचर्चा एवं स्नेह मिलन का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न वर्ग, संगठन, धर्म एवं समाजसेवी संस्थाओं की महिलाओं ने भाग लिया। ब्रह्माकुमारी बिन्दु बहन ने कहा कि संगठन की शक्ति के साथ यदि परमात्म शक्ति का साथ हो तो विजय निश्चित है। बहन इन्दु शर्मा अध्यक्षा गौमुखी सेवाधाम देवपहरी ने कहा कि दिल में लव, मुख में शुगर तथा दिमाग में आईस फेक्टरी लगायें तो आपका जीवन और परिवार सुख शांति से भरपूर हो जायेगा। भ्राता शेखर राम शा. अभिभाषक ने कहा कि नारी में सहनशीलता के साथ साथ पालना का गुण होता है। ब्रह्माकुमारी रचना बहन ने कहा कि प्रथम गुरू महिला यदि बच्चों को उत्तम स्त्री रोग विशेषज्ञ संस्कारों को देने में ध्यान देगी तो सारा संसार ही सुसंस्कारित बन जायेगा। डॉ. रजनी पाण्डेय ने कहा कि फैशन के दौर में आगे न बढ़कर, आज नारी में मातृत्व जगाने की आवश्यकता है, जिसकी कमी नजर आती है। बहन रूकमणी नायर भा.ज.पा.ने कहा कि यह संस्था एक ऐसा नारी संगठन है, जो विश्व व्यापी स्तर पर मानव उत्थान के लिये कार्य कर रही है, सराहनीय है। बहन वीणा भावनानी सिन्धु समाज ने कहा कि आत्म निरीक्षण करें और स्वयं की कमियों को निकालने का प्रयास करें। बहन सरला श्रीमाली ने कहा कि कर्मों में श्रेष्ठता और आध्यत्मिकता लायें। बहन अर्चना उपाध्याय पूर्व पार्षद ने कहा कि घरेलू हिंसा पर रोक लगाने के लिये महिलाओं पर विशेष घ्यान देने की आवश्यकता है। बहन अचला अग्रवाल अध्यक्षा अग्रवाल समाज ने कहा कि कहीं न कहीं महिलायें भयभीत बहुत हैं, उन्हें सुरक्षा की आवश्यकता है। बहन रजनी शर्मा बाल्को ने कहा कि लड़की पैदा नहीं होती लेकिन उसकी मानसिकता का वैसा वातावरण उसे दिया जाता है। राष्ट्रपति पुरस्कृत बहन अरून्धती कुलकर्णी निर्देशक विशेष अंकुर विद्यालय कोरबा ने कहा कि भारत की गुलामी के समय नारी शक्ति का अधिक पतन हुआ है। नारी में असीम शक्तियां हैं जिसमें धीरे–धीरे जागृति आ रही है। बहन लखनी साहू ने कहा कि हर समस्या का समाधान, सहज रूप में यहां प्राप्त होता है। डॉ. के.सी. देवनाथ एम.ने कहा कि आज नारियों में इतनी जागृति आई है लेकिन अभी भी ग्रामीण अंचल में

कार्य करने की आवश्यकता है। ब्रह्माकुमारी रूकमणी बहन ने कहा कि निश्चित ही संगठन में जब हम नारियां रहती हैं, तो सुरक्षित और सशक्त महसूस करती हैं। नारी की एक बहुत बड़ी कमजोरी को शिव परमात्मा ने विशेषता में परिवर्तन कर दिया, उन्हें ज्ञान कलष देकर के, क्योंकि यह लोगों का मानना है कि माताओं को कोई बात भी बता दें तो वह छिपती नहीं हैं। ब्रह्माकुमारी शशि बहन ने राजयोग अनुभूति, बहन जयंति वर्मा, बहन राधिका कश्यप, कु. नेहा ने गीत तथा बहन रश्मि शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

मानवता की सेवा में, ब्रह्माकुमारी रूकमणी